FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Research		Semester-VIII	Session 26-27
1	Course Code	HNSC-08	
2	Course Title	जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	
3	Course Type	**DSC**	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outscom (CLO)	1 विद्यार्थिया`में छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य के प्रति अभिरूचि का विकास हो सकेगां। 2 छत्तीसगढ़ी भाषा के रचनाकारों से परिचित होंगें। 3 छत्तीसगढ़ी कविता एवं अन्य गद्य विधाओं से परिचित होंगे। 3 छत्तीसगढ़ी साहित्य के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा। 4 विद्यार्थी छत्तीसगढी भाषा एवं व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर छत्तीगढ़ी में साहित्य सृजन के लिए प्रेरित हो सकेंगे।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य : अ. छत्तीसगढ़ी भाषा का सामान्य परिचय, प्रकार, एवं व्याकरण ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास व प्रमुख रचनाकार– पं. सुंदरलाल शर्मा, लोचन प्रसाद पाण्डेय, प्यारेलाल गुप्त, श्यामलाल चतुर्वेदी, नारायण लाल परमार, डॉ. खूबचंद बघेल	15
II	छत्तीसगढ़ी कवि अ. प्राचीन कवि संत धरमदास के तीन पद 1. गुरु पइयां लागवं नाम लखा दी जो हों.... 2. नैनन आगे ख्याल घनेरा.... 3. भजन करो भाई रे ब. मुकुटधर पाण्डेय–मेघदूत का छत्तीसगढी अनुवाद	15
III	छत्तीसगढ़ी कवि अ. हरिठाकुर– 1 संग समय के चलना परही, 2 बेरा नवनिर्मान के ब. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र'–1 धन धनरे मोर किसान, 2 सरद रितु आगे	15
IV	उपन्यास– परदेशी राम वर्मा– आवा	15

संदर्भ ग्रंथः

1. छत्तीसगढ़ का इतिहास– गीतेश कुमार अमरोहित
2. लेक संस्कृति और लोक इतिहास–बद्रीनाथ
3. लोकसाहित्य एवं छत्तीसगढ़ी साहित्य– सं. रमेश टण्डन
4. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन–नंदकिशोर तिवारी
5. छत्तीसगढ़ की लोकथाएं–परदेशीराम वर्मा

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Research		Semester-VIII	Session 26-27
1	Course Code	HNSE-09	
2	Course Title	पाश्चात्य काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र की मूल अवधारणा से परिचित हो सकेंगे । 2 विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकास कम को समझ सकेंगे। 3 विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों से परिचित होंगे। 4 आधुनिक समीक्षा के सिद्धांतों से परिचित होंगे। 5 साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियो मे समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	प्लेटो– अनुकृति सिद्धांत अरस्तु– अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत	15
II	लेंजाइनस–उदात्त की अवधारणा मैथ्यूअर्नाल्ड–कला की अवधारणा	15
III	कोचे–अभिव्यंजनावाद रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धांत और संप्रेषण सिद्धांत	15
IV	आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियां व व्यावहारिक समीक्षा नोट–विद्यार्थी प्रदत्त अंश की स्वविवेक से समीक्षा करेंगे।	15

संदर्भ ग्रंथः

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र– डॉ विजय बहादुर सिंह
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र–गणपति चंद्रगुप्त
3. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन– जगदीश चंद्र जैन
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र अधुनातन संदर्भ–सत्यदेव मिश्र
5. पश्चात्य काव्य दर्शन– डॉ. शंकर मुनि राय

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors /Honorse with Research		Semester-VIII	Session 26-27
1	Course Code	HNSE-10	
2	Course Title	अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी अनुवाद के व्यापक स्वरूप से परिचित होंगे । 2 विद्यार्थी अनुवाद प्रकिया को समझस कें गे। 3 विद्यार्थी अनुवाद की सामाजिक–सांस्कृतिक पक्षों से अवगत हो सकेंगे । 4 विद्यार्थियों में अनुवाद करने की क्षमता क विकास हा`सकेगा। 5 विद्यार्थी अनुवाद के सैद्धांतिक व व्यावहारिक महत्व को समझ सकेंगे।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course		
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)		
Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**अनुवाद का अर्थ, परिभाषा ,स्वरूप,** अनुवाद की आवश्यकता एवं महत्त्व। अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद प्रकिया के तीन चरण–विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन	15
II	**अनुवाद के प्रकार**– शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद ।सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अन्तर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में अंतर	15
III	**अनुवाद सैद्धांतिकी**–प्रशासनिक अनुवाद, बैंकिंग अनुवाद, विधि अनुवाद, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद, सामाजिक विषयों का अनुवाद	15
IV	**पारिभाषिक शब्दावली** : कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी, बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली। उपर्युक्त प्रमुख पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप। व्यावहारिक अनुवाद– विद्यार्थी प्रदत्त अंश का अनुवाद प्रस्तुत करेंगें	15

संदर्भ ग्रंथः

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा–सुरेश कुमार
2. अनुवाद प्रकिया एवं व्यावहारिकता–संतोष अलेक्स
3. पारिभाषिक शब्दावली की विकास यात्रा– सं डॉ. गार्गी गुप्ता
4. प्रशासनिक शब्दावली –वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, भारत सरकार

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर :

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
		Semester-VIII	Session 26-27
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Researc			
1	Course Code	HNSE-11	
2	Course Title	हिंदी कहानी	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outsc (CLO)	1 विद्यार्थी हिंदी कहानी के क्रमिक विकास से परिचित होंगे। 2 मूल्यांकन एवं विश्लेषण की क्षमता का विकास हो सकेगा। 3 कहानी के तात्विक स्वरूप से अवगत होंगे । 4 कृतियों के माध्यम से जीवन और समाज को समझने की क्षमता का विकास हो सकेगा। 5 विद्यार्थियों में रचनात्मकता की क्षमता विकसित हो सकेगी।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course

Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)

Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	हिंदी कहानी–उद्‌भव और विकास प्रेमचंद–पूस की रात जयशंकर प्रसादः पुरस्कार	15
II	कृष्णा सोबतीः सिक्का बदल गया ज्ञानरंजनः पिता निर्मल वर्माः परिंदे	15
III	मन्नू भंडारीः यही सच है कमलेश्वरः राजा निरबंसिया उषा प्रियंवदाः वापसी	15
IV	गजानन माधव मुक्तिबोधः पक्षी और दीमक सुदर्शनः हार की जीत अमरकांत–दोपहर का भोजन	15

संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी कहानी का उद्‌भव और विकास–सुरेश सिन्हा
2. कहानी स्वरूप और संवेदना– राजेन्द्र यादव
3. कृष्णा सोबती से कृष्णा सोबती तक–सं ए अरविंदाक्षन
4. जयशंकर प्रसाद प्रतिनिधि कहानियां– राजकमल प्रकाशन
5. संपूर्ण कहानियां मन्नू भंडारी– राधा कृष्ण प्रकाशन
6. प्रतिनिधि कहानियां उषा प्रियंवदा–सं रोहिणी अग्रवाल
7. कहानी का रचना विधान– जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
8. सुदर्शन की श्रेष्ठ कहानियां– राजपाल एण्ड संस

अध्ययन मंडल के संयोजक एवं सदस्यों के हस्ताक्षर

FOUR YEAR UNDERGRAGUATE PROGRAM-26-27

DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM

PART A: INTRODUCTION			
Program : Bachelor in ArtsHonors/Honorse with Research		Semester-VIII	Session 26-27
1	Course Code	HNSE-12	
2	Course Title	भारतीय साहित्य	
3	Course Type	**DSE**	
4	Pre Reqisite (If any)	AS per requirement	
5	Course Learning Outsco (CLO)	1 विद्यार्थी भारतीय साहित्य के माध्यम से अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित होंगे। 2 विद्यार्थी हिंदीतर भाषा–साहित्य से परिचित हो सकेंगे। 3 विद्यार्थियो में भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त भारतीयता की पहचान करने की क्षमता का विकास होगा। 4 अनुदित साहित्य के आस्वादन एवं मूल्यांकन की क्षमता विकसित हो सकेगी। 5 पाठ्य कृतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को समझने की क्षमता का विकास हो सकेगा।	
6	Credit Value	4 Credits	01 Credit =15 Hours-learning & objervation
7	Total marks	Maximum Marks : 100	Minimum passing Marks : 40

Part-B: content of the course		
Total No. of Teaching-1 earning Periods (01 Hr. per period)- 60 periods (60 Hours)		
Unit	Topics (course Contents)	No. of Periods
I	**भारतीय साहित्य का स्वरूप** भारतीयता का समाजशास्त्र भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति	15
II	**भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता–** भारतीय समाज व संस्कृति के समग्रबोध, भारतीय ज्ञानपरंपरा, चिंतन, मूल्य की समझ एवं राष्ट्रीय व सांस्कृतिक एकता के लिए . **भारतीय साहित्य के अध्ययन में समस्याएं–** भाषायी विविधता, सांस्कृतिक अनेकता, अनूदित साहित्य का अभाव इतिहास और कालविभाजन, उपलब्ध साहित्य के प्रति जागरूकता की कमी	15
III	**भारतीय साहित्यःकाव्य** तमिल–सुब्रमण्यम भारती– यह है देश हमारा मराठी–कुसुमाग्रज–रीढ़ उड़िया–सीमाकांत महापात्र–सांझ सवेरा	15
IV	भारतीय साहित्य–गद्य उपन्यास– अग्निगर्भ–महाश्वेता देवी नाटक– हयवदन–गिरीश कर्नाड	15

संदर्भ ग्रंथः

1. भारतीय साहित्य–सं डॉ नगेन्द्र
2. भारतीय साहित्य माला– सं कृष्णदयाल भार्गव
3. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य –आर.सुरेन्द्रन